

आमृत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 21

लखनऊ, सोमवार 07 सितम्बर 2026 स 13 सितम्बर 2026 तक

पृष्ठ—8

मूल्य : एक रुपया

‘जेन जी’ से मोदी का संवाद

नई दिल्ली। जंतर मंतर पर क करोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘जेन जी’ से सीधा संवाद किया है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स यानी एसआरसीसी में मोदी ने शनिवार की शाम को छात्रों के साथ संवाद किया और उन्हें संबोधित भी किया। मोदी ने अपने भाषण में कहा, ‘मुझे देश पर भरोसा है। देश के युवाओं पर भरोसा है। मुझे विश्वास है हम १४० करोड़ भारतीय मिलकर विकसित भारत को संभव बनाएंगे’। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत ग़ो कर रहा है और रोजगार भी दे रहा है। उन्होंने विपक्षी पार्टियों खास कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि सच के आगे झूठ की गूँज नहीं टिकेगी। मोदी ने छात्रों के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया

और अपने भाषण में अपना आगे का विजन भी बताया। उन्होंने कहा, ‘आने वाले समय में रिसर्च और इनोवेशन का हब भारत होगा। भारत का अपना स्पेस स्टेशन होगा और वो दिन भी आप देखेंगे। आप देखिएगा भारत एक दिन ऐसे ओलंपिक का आयोजन करेगा कि दुनिया देखेगी’। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी १३ साल बाद एसआरसीसी पहुंचे थे। इससे पहले फरवरी २०१३ में उन्होंने एसआरसीसी में भाषण दिया था। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे और उन्हें अपना विजन छात्रों के सामने रखा था। कॉलेज के एक सौ साल पूरे होने के मौके पर आयोजित समारोह में मोदी ने छात्रों को संबोधित करते हुए उनसे कनेक्ट करने की कोशिश की। उन्होंने क लेज के पुराने छात्रों के लिए कहा, ‘आपकी

भाषा में कहूं तो के पूर्व छात्र ओजी हैं, जिन्होंने हर क्षेत्र में धूम मचाई है। वे धुरंधर भले न हों, पर दुनिया भर में धूम तो मचाई है’। मोदी ने कहा, ‘मुझमें हिम्मत है, इसलिए



अपना रिपोर्ट कार्ड आपके सामने लेकर आया हूं। मुझे पता है झूठ की गूँज नहीं चलेगी’। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी उपलब्धियां बताई और विरोधियों पर हमला भी किया। उन्होंने कहा, ‘मैंने कहा था कि मेड इन इंडिया पर काम करने की जरूरत है, तो उस वक्त के लोगों

ने इसका विरोध किया। आज आप मेड इन इंडिया की ताकत देख रहे हैं। दुनिया के बड़े स्मार्टफोन भारत में बनते हैं। आज भारत ढाई लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के मोबाइल एक्सपोर्ट करता है’। मोदी ने कहा, ‘मैं छोटे और आसान लक्ष्य रखने वाला आदमी नहीं हूं। मैं बड़े लक्ष्य रखता हूं’। अपनी सरकार की उपलब्धियां बताते हुए मोदी ने कहा, ‘पहले भारत के लिए डिफेंस का सामान बाहर से आता था। आज भारत की डिफेंस मैनुफैक्चरिंग ऑल टाइम हाई पर है। आज भारत करीब २ लाख करोड़ का डिफेंस प्रोडक्शन कर रहा है। २०१४ में हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट कुछ सौ करोड़ था, आज ये आंकड़ा ४० हजार करोड़ का है’। मोदी ने आगे कहा, ‘२०१३ के समय दुनिया भारत को फ्रेजाइल फाइव बता रही थी। अभी दुनिया

भारत को पांच सबसे बड़ी इक नमी में देख रही है। पिछले हफ्ते ही हमने ७.८ फीसदी की ग्रोथ दर्ज की। ये ऐसे समय में आई है, जब वेस्ट एशिया क्राइसिस चरम पर है’। मोदी ने अपने भाषण में कहा, ‘भारत ग़ो भी कर रहा है और रोजगार के नए अवसर भी बना रहा है। लेकिन इसके बाद भी २०१३ में जिन लोगों के लिए ग्लास आधा खाली था उनके लिए आज भी खाली रहेगा’। गौरतलब है कि मोदी ने आधे ग्लास वाली मिसाल २०१३ में एसआरसीसी में दी थी। उन्होंने शनिवार को इसे दोहराया और विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ‘देश में अलग अलग प्रजाति के लोग हैं। एक वो जो पॉजिटिव तरीके से समाज की शक्ति को राष्ट्र की शक्ति में बदलते हैं। और दूसरे जो हर चीज में नाराज फूफा बन जाते हैं’।

२६ माध्यमिक स्कूलों ने पोर्टल पर अपलोड की गलत जियो लोकेशन

लखनऊ। मंडल के २६ माध्यमिक विद्यालयों की लोकेशन में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। इनमें लखनऊ के सात स्कूल शामिल हैं। प्रधानाचार्यों की लापरवाही से यूपी बोर्ड के पोर्टल पर दर्ज इन स्कूलों की जियो-लोकेशन गलत पाई गई है। उग्र माध्यमिक शिक्षा परिषद के संज्ञान में आने के बाद संयुक्त शिक्षा निदेशक ड . प्रदीप कुमार ने मंडल के सभी छह जिलों के डीआईओएस को तुरंत सही लोकेशन अपडेट कराने

के निर्देश दिए हैं। ताकि यूपी बोर्ड परीक्षा में बनाए जाने वाले केंद्रों की स्कूलों से दूरी और अन्य निर्धारण करने में कोई खामी न ही हो। मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी ड . दिनेश कुमार ने बताया कि जांच में एक ही जिले के कई स्कूलों की जियो लोकेशन एक समान मिली है। ऐसा तब होता है, जब स्कूल परिसर में जाने के बजाय किसी एक ही जगह बैठकर कई स्कूलों का डेटा फीड कर दिया जाए। लखीमपुर खीरी व

हरदोई के ८-८ स्कूल, लखनऊ व रायबरेली के ७-७ स्कूल, सीतापुर के चार और उनाव के तीन स्कूलों ने ये गलती की है। बोर्ड के निर्देशानुसार, अब प्रधानाचार्यों को स्कूल परिसर में रहकर ही मोबाइल ऐप से फोटो खींचकर अपलोड करनी होगी। फोटो में स्कूल का नाम और मुख्य गेट साफ दिखना जरूरी है। ताकि ऐप से खुद-ब-खुद सटीक लोकेशन दर्ज हो सके।

माइनस १४० डिग्री तक क्रायोथेरेपी, लखनऊ में खिलाड़ियों के लिए बन रहा अत्याधुनिक स्पोर्ट्स साइंस सेंटर

लखनऊ। खेल के दौरान चोटिल होने वाले खिलाड़ियों को इलाज और पुनर्वास के लिए अब दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। राजधानी के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स क लेज में करीब ७.१७ करोड़ रुपये की लागत से स्पोर्ट्स साइंस एंड इंजरी मैनेजमेंट सेंटर विकसित किया जा रहा है। यह प्रदेश का पहला एकीकृत केंद्र होगा, जहां खिलाड़ियों को चोट के उपचार से लेकर फिजियोथेरेपी, पुनर्वास, फिटनेस, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और प्रदर्शन सुधार तक की सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध कराने की योजना

है। सेंटर के निर्माण के लिए शासन ने ७१६.७७ लाख रुपये मंजूर किए हैं। फिलहाल सिविल कार्य चल रहा है। वहीं, आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। सेंटर को निर्माण कार्य शुरू होने के एक साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। स्पोर्ट्स साइंस सेंटर में खिलाड़ियों के उपचार और रिकवरी के लिए सात अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी। इनमें होल ब डी क्रायोथेरेपी चैंबर, रेडियल और फोकस्ड श कवेव थैरेपी, टीईसीएआर थैरेपी, न्यूमैटिक कंफ्रेशन थैरेपी, क स्मो पेन मैनेजमेंट

इलेक्ट्रोथेरेपी और क्लास-४ चिकित्सीय लेजर शामिल हैं। होल ब डी क्रायोथेरेपी चैंबर में -१२० से -१४० डिग्री सेल्सियस तक तापमान की सुविधा होगी। इससे खिलाड़ियों को चोट के बाद रिकवरी और उपचार से जुड़ी आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। केंद्र में खिलाड़ी के चोटिल होने से लेकर उपचार, पुनर्वास और दोबारा मैदान पर लौटने तक विशेषज्ञों की निगरानी रहेगी। इसके साथ ही खिलाड़ियों का फिटनेस मूल्यांकन किया जाएगा और उन्हें पोषण तथा मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सलाह भी दी जाएगी।

पुंछ हमले का आरोपी मारा गया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बडगाम में गुरुवार को मारे गए आतंकवादी की पहचान हो गई है। पुलिस ने बताया है कि उसका नाम यासिर उर्फ अबु तल्हा है, वह पाकिस्तानी है और आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा से जुड़ा था। यह भी

तीसरे यासिर का अब एनकाउंटर हुआ। चौथा हाशिम मूसा फरार है। जानकार सूत्रों के मुताबिक, यासिर का नाम पहलगाम आतंकी हमले की जांच से भी जुड़ा था। सुरक्षा बलों ने गुरुवार को यासिर को बडगाम के अशदार जंगलों में



बताया गया है कि यासिर २०२४ में पुंछ में वायु सेना के काफिले पर हुई फायरिंग में शामिल था। इस हमले में एक जवान शहीद हो गया था। यासिर उर्फ अबु तल्हा की तस्वीर पहली बार पहलगाम आतंकी हमले के दौरान सामने आई थी। उस समय मिली एक फोटो में चार आतंकवादी थे। उनमें से दो को पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों ने मार गिराया था।

मार गिराया। इस इलाके में सेना का ऑपरेशन अभी भी जारी है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों को यासिर की कई सालों से तलाश थी। जम्मू कश्मीर पुलिस ने आतंकी की फोटो पोस्ट कर लिखा, ‘तुम भाग सकते हो, छिप नहीं सकते’। बताया जा रहा है कि, यासिर उर्फ अबु तल्हा जम्मू कश्मीर में कई बड़े आतंकी हमलों से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा रहा है।

सम्पादकीय

जलवायु संकट: तबाही की दस्तक सुनकर भी दुनिया क्यों बेपरवाह?

नेपाल में ग्लेशियर गिरने और उससे पैदा हुई तबाही की दर्दनाक तस्वीरों के बीच संयुक्त राष्ट्र का ताजा आकलन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है। यह चेतावनी केवल बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियरों या अचानक आने वाली प्रौक्तिक आपदाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस वैश्विक विफलता की ओर भी संकेत करती है, जिसमें वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद दुनिया समय रहते पर्याप्त कदम उठाने में नाकाम रही है। आज सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि इसके बढ़ते दुष्प्रभावों को किस हद तक सीमित किया जा सकता है। २०१५ में पेरिस जलवायु समझौते के समय दुनिया के सामने स्पष्ट लक्ष्य रखा गया था कि वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में १.५ डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का हर संभव प्रयास किया जाए। यह लक्ष्य केवल वैज्ञानिकों की चिंता नहीं था, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को संभावित जलवायु आपदा से बचाने की सामूहिक प्रतिबद्धता थी। लेकिन पिछले वर्षों में जिस गति से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ा है, उसने इस लक्ष्य को लगातार कठिन बनाया है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट इसी विफलता की ओर इशारा करती है। विडंबना यह है कि जलवायु संकट के खतरे को लेकर दुनिया को दशकों से चेताया जाता रहा है। वैज्ञानिक लगातार बता रहे हैं कि तापमान बढ़ने का अर्थ केवल गर्मी बढ़ना नहीं है। इसका असर वर्षा के स्वरूप, समुद्र के स्तर, षि, पेयजल, जैव विविधता, स्वास्थ्य और प्रौक्तिक आपदाओं की तीव्रता पर पड़ता है। ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना इसी संकट का एक बड़ा संकेत है। हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इसका प्रभाव और भी गंभीर हो सकता है। नेपाल की त्रासदी को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। वहां की आपदा को केवल एक स्थानीय प्रौक्तिक घटना मानकर आगे बढ़ जाना आसान होगा, लेकिन जलवायु विशेषज्ञों की चेतावनी इससे कहीं अधिक गंभीर है। हिमालयी क्षेत्र में तापमान और मौसम के बदलते पैटर्न के कारण ग्लेशियरों और हिम झीलों से जुड़े खतरे बढ़ सकते हैं। इसका सीधा असर नेपाल, भारत, भूटान और पाकिस्तान जैसे देशों के करोड़ों लोगों पर पड़ सकता है, जिनकी नदियों और जल संसाधनों का बड़ा हिस्सा हिमालयी पारिस्थितिकी पर निर्भर है। सबसे बड़ा सवाल जलवायु न्याय का है। जिन देशों और समुदायों का वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान बहुत कम है, वे अक्सर जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी कीमत चुकाते हैं। नेपाल इसका एक उदाहरण है। वैश्विक उत्सर्जन में उसकी हिस्सेदारी बेहद कम है, लेकिन हिमालयी पारिस्थितिकी में बदलाव का जोखिम उसके सामने बहुत बड़ा है। यही स्थिति दुनिया के अनेक गरीब और विकासशील देशों की है। दूसरी ओर, औद्योगिक विकास के लंबे दौर में भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जित करने वाले विकसित देश अब भी अपने उत्सर्जन को पर्याप्त तेजी से कम करने में कठिनाई दिखा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, लेकिन सबसे बड़ी जिम्मेदारी निश्चित रूप से उन देशों की है, जिनके पास संसाधन, तकनीक और नीतिगत क्षमता अधिक है। विकासशील देशों से उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा करने से पहले विकसित देशों को अपने ऐतिहासिक योगदान और वर्तमान उत्सर्जन पर गंभीरता से विचार करना होगा। केवल सम्मेलन आयोजित करना और लक्ष्य घोषित करना पर्याप्त नहीं है। असली कसौटी यह है कि उन लक्ष्यों को जमीन पर कितना उतारा गया। जलवायु संकट से निपटने के लिए अब केवल कार्बन उत्सर्जन घटाने की बातें पर्याप्त नहीं होंगी। दुनिया को दो मोर्चों पर एक साथ काम करना होगा। पहला, उत्सर्जन में तेज और वास्तविक कमी। दूसरा, उन क्षेत्रों और समुदायों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराना, जो पहले ही इसके दुष्परिणाम झेल रहे हैं। भारत के लिए भी यह चेतावनी बेहद महत्वपूर्ण है। हिमालय भारत की जल सुरक्षा का आधार है। गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों का जल चक्र हिमालयी क्षेत्र से गहराई से जुड़ा है। हिमालयी पारिस्थितिकी में बड़े बदलाव का असर उत्तर भारत की कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ सकता है। इसलिए जलवायु नीति को केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर होने वाली बहस न मानकर राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास नीति का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। अब दुनिया के सामने विकल्प स्पष्ट हैं या तो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ निर्णायक और सामूहिक कार्रवाई की जाए, या फिर बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं, विस्थापन और आर्थिक नुकसान को नए सामान्य के रूप में स्वीकार किया जाए। वैज्ञानिकों ने खतरे की घंटी बहुत पहले बजा दी थी। नेपाल जैसी घटनाएं उस घंटी की आवाज को और तेज कर रही हैं। क्योंकि जलवायु संकट के सामने अब सवाल यह नहीं है कि चेतावनी मिली थी या नहीं, सवाल यह है कि चेतावनी मिलने के बाद भी हम कब तक इंतजार करते रहेंगे।

राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में २०२७ के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल के साथ चुनावी रणनीति को बूथ स्तर तक पहुंचाने की कवायद के बीच भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े

में पार्टी का हर कार्यकर्ता २०२७ में फिर एनडीए सरकार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाए जाने के बाद विनोद तावड़े का यह पहला लखनऊ दौरा है। इससे पहले शनिवार को उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के साथ बैठक कर



ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। तावड़े ने मुख्यमंत्री के सरकारी आवास ५—कालिदास मार्ग पहुंचकर योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संगठन, सरकार और आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के सह—प्रभारी जगदीश ईश्वरभाई पटेल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि “यूपी की रफ्तार रहेगी बरकरार, तीसरी बार बनेगी एनडीए सरकार।” उन्होंने बताया कि लखनऊ प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक से संगठन, सरकार और चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। तावड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन

चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। पार्टी की कोशिश सरकार की उपलब्धियों को संगठन के जरिए जमीनी स्तर तक पहुंचाने की है। लखनऊ पहुंचने के बाद तावड़े ने भाजपा की चुनावी तैयारियों को लेकर कहा था कि पार्टी और एनडीए का प्रत्येक कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ेगा और जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद पार्टी अगले पांच वर्षों तक प्रदेश की जनता की सेवा के लिए समर्पित रहेगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के ‘पीडीए’ को लेकर भी निशाना साधा था। तावड़े ने कहा था कि भाजपा अखिलेश यादव के पीडीए को नाकाम करेगी और इसकी व्याख्या ‘पराया धन अपना’ के रूप में की थी। तावड़े ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज हुई है। उन्होंने कहा कि विकास और संगठन की ताकत के आधार पर भाजपा २०२७ में एक बार फिर एनडीए सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने तावड़े का स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय राय और प्रदेश कार्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला समेत अन्य नेता मौजूद रहे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने १८ अगस्त को विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का नया प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया था। वहीं जगदीश ईश्वरभाई पटेल को प्रदेश का सह—प्रभारी बनाया गया है। तावड़े भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और राज्यसभा सांसद हैं। इससे पहले वह हरियाणा और बिहार जैसे राज्यों के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। बिहार में २०२५ के विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने पार्टी के प्रभारी के तौर पर काम किया था। उत्तर प्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा संगठनात्मक गतिविधियों को और तेज करने की तैयारी में है। पार्टी की कोशिश सरकार की उपलब्धियों को कार्यकर्ताओं के जरिए बूथ स्तर तक पहुंचाने के साथ युवाओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की है। ऐसे में नए प्रदेश प्रभारी के तौर पर विनोद तावड़े के सामने संगठन को पूरी तरह चुनावी मोड़ में सक्रिय करने और लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनाने के लक्ष्य को जमीन पर उतारने की बड़ी जिम्मेदारी है।

नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से प्राविधिक शिक्षा सेवा परीक्षा-२०२५ कराने के लिए लखनऊ पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा-२०२५ रविवार को लखनऊ के ५२ केंद्रों पर होगी। परीक्षा में २२,६६६ अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए लखनऊ पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। दोनों पालियों में परीक्षा के दौरान कुल ५२० पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून—व्यवस्था बबलू कुमार के मुताबिक, परीक्षा पहली पाली में सुबह ६ से ११:३० बजे की बीच थी अब दूसरी पाली में दोपहर २:३० से शुरू होगी और शाम ५ बजे तक चलेगी। प्रत्येक

केंद्र पर एक उपनिरीक्षक, तीन हेड कांस्टेबल/कांस्टेबल और दो महिला कांस्टेबल तैनात रहेंगी। गोपनीय परीक्षा सामग्री की सुरक्षा के लिए २०८ सशस्त्र पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा केंद्र के २०० मीटर की परिधि में साइबर कैफे, फोटो क पी की दुकानें और पीसीओ बंद रहेंगे। परीक्षा के दौरान आसपास लाउडस्पीकर या ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर भी रोक रहेगी। अभ्यर्थियों की आवाजाही को देखते हुए रेलवे और बस स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, टैक्सी स्टैंड और परीक्षा केंद्रों के आसपास पर्याप्त यातायात पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। यातायात निरीक्षक

परीक्षा से एक दिन पहले केंद्र और आसपास के मार्गों का निरीक्षण कर व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। सभी थाना प्रभारी सुबह सात बजे से परीक्षा समाप्त होने तक क्षेत्र में भ्रमणशील रहेंगे। आपात स्थिति से निपटने के लिए यूपी-११२ की गाड़ियां परीक्षा केंद्रों के नजदीक तैनात रहेंगी। महिला सुरक्षा के लिए पिंग पेट्रोल, यूपी-११२ और एंटी रोमियो स्कवाड भी परीक्षा केंद्रों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार गश्त करेंगे। सोशल मीडिया सेल सभी प्लेटफॉर्म की चौबीसों घंटे निगरानी करेगा। पुलिस ने अभ्यर्थियों से समय से केंद्र पहुंचने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

भुवी और रिकू की खिताबी जंग, फाइनल से पहले कप्तानों ने खोले पत्ते

लखनऊ। यूपी टी२० लीग २०२६ अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है। रविवार, ६ सितंबर को लखनऊ फाल्कन्स और मेरठ मावेरिक्स के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। लखनऊ पहली बार फाइनल में पहुंची है, जबकि मेरठ मावेरिक्स लगातार चौथी बार फाइनल में जगह बनाने में सफल रही है। लीग के आधिकारिक शेड्यूल के मुताबिक मुकाबला शाम ७:३० बजे कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होगा। फाइनल से पहले आयोजित प्रेस कन्फ्रेंस में यूपी टी२० गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर, सदस्य संजीव कुमार सिंह, लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार, मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिकू सिंह, लखनऊ के बल्लेबाजी कोच उमंग शर्मा और मेरठ के हेड कोच उत्कर्ष चंद्रा मौजूद रहे। यूपी टी२० लीग के चौथे सीजन की सफलता और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के विजन पर बात करते हुए गवर्निंग काउंसिल

के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने फाइनल को लेकर उत्साह जताया। उन्होंने कहा कि लखनऊ से शुरू हुआ सफर कानपुर से होता हुआ अब सबसे बड़े मुकाबले



तक पहुंच गया है। उनके मुताबिक एक ओर अनुभवी भुवनेश्वर कुमार हैं तो दूसरी ओर रिकू सिंह जैसे खिलाड़ी हैं। युवा खिलाड़ियों को इन अनुभवी क्रिकेटरों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से काफी कुछ सीखने का अवसर मिल रहा है। डॉ. कपूर ने बारिश के बावजूद ग्राउंड्समैन के प्रयासों की सराहना

की। उन्होंने फाइनल के लिए रिजर्व डे रखे जाने की भी जानकारी दी, ताकि बारिश जैसी स्थिति में भी मुकाबले का नतीजा निकाला जा सके। उन्होंने संकेत

दिया कि अगले सीजन में वाराणसी जैसे नए शहरों में भी मैच आयोजित किए जा सकते हैं। लखनऊ फाल्कन्स पहली बार यूपी टी२० लीग के फाइनल में पहुंची है। टीम के कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने माना कि युवा खिलाड़ियों में बड़े मुकाबले को लेकर थोड़ी घबराहट होना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि यह फ्रेंचाइजी का पहला फाइनल है, इसलिए नर्वसनेस हो सकती है, लेकिन उत्साह उससे कहीं ज्यादा है। भुवनेश्वर ने युवा खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे बड़े मौकों का आनंद लें और दबाव में यह न भूलें कि उन्होंने क्रिकेट खेलना क्यों शुरू किया था। लखनऊ में खेलने के संभावित होम एडवांटेज से जुड़े सवाल पर भुवनेश्वर ने मुस्कुराते हुए कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश ही सभी का घर है। उन्होंने मेरठ के स्पिनर जीशान अंसारी की भी तारीफ की और कहा कि उनके खिलाफ बल्लेबाजी करते समय सतर्क रहना होगा। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिकू सिंह ने फाइनल से पहले अपनी हाथ की चोट को लेकर राहत देने वाला अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि वह अब काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं और खिताबी मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी की चुनौती पर रिकू ने उन्हें स्विंग का उस्ताद

बताया। उन्होंने कहा कि पावरप्ले में भुवनेश्वर की स्विंग से निपटने और रन बनाने के लिए टीम ने खास रणनीति तैयार की है। रिकू ने लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचने को टीम के जज्बे का प्रमाण बताया। मेरठ ने क्वालिफायर-२ में नोएडा सुपर किंग्स को छह विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले क्वालिफायर-१ में लखनऊ ने मेरठ को ४७ रन से हराया था। लखनऊ फाल्कन्स के सामने पहली बार यूपी टी२० लीग का खिताब जीतने की चुनौती है, जबकि मेरठ मावेरिक्स लगातार चौथे फाइनल में ट्रॉफी अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। दोनों टीमों की इस सीजन में पहले भी भिड़ंत हो चुकी है। लीग चरण में मेरठ ने लखनऊ को डीएलएस पद्धति से पांच रन से हराया था, जबकि क्वालिफायर-१ में लखनऊ ने ४७ रन से बाजी मारी थी। अब खिताबी मुकाबले में दोनों टीमों की तीसरी भिड़ंत पर सबकी नजर होगी।

योगी सरकार की बड़ी पहल : सर्वोदय विद्यालयों के 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ मिलेगा हुनर

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा के साथ व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण देने की तैयारी पूरी कर ली गई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने वित्तीय वर्ष २०२६-२७ में 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत प्रदेश के ३ हजार से अधिक विद्यार्थियों को विभिन्न रोजगारपरक क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रशिक्षण का लक्ष्य ३१ प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाओं को सौंपा गया है। सभी चयनित संस्थाओं को प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने, उनका अनुमोदन कराने, विद्यार्थियों का पंजीकरण करने और बैच गठित करने की प्रक्रिया निष्पारित समयसीमा में पूरी करनी होगी। ३० सितंबर २०२६ तक सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण शुरू करना अनिवार्य किया गया है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि 'प्रोजेक्ट प्रवीण' का उद्देश्य सर्वोदय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ऐसे कौशल से जोड़ना है, जो उन्हें भविष्य में रोजगार, स्वरोजगार और बेहतर करियर के अवसरों के लिए तैयार कर सकें। विद्यार्थियों को उनकी रुचि और उपलब्ध प्रशिक्षण के अनुसार अपैरल,

आईटी- आईटीईएस, मैनेजमेंट सहित अन्य रोजगारपरक सेक्टरों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। योगी सरकार की कौशल विकास नीति के तहत यह पहल युवाओं को शिक्षा से कौशल और कौशल से रोजगार की ओर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। स्कूल स्तर पर ही विद्यार्थियों को व्यावहारिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण मिलने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ भविष्य के लिए आवश्यक



दक्षताएं विकसित करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बैच का आकार भी निर्धारित किया गया है। एक बैच में अधिकतम ३५ विद्यार्थी शामिल होंगे, जबकि प्रशिक्षण की कुल अवधि ३०० घंटे तक होगी। इससे विद्यार्थियों को नियमित स्कूली शिक्षा प्रभावित किए बिना कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मिशन का जोर केवल प्रशिक्षण शुरू कराने पर ही नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर भी है। प्रशिक्षण प्रदाता को मिशन मुख्यालय में अनुबंध जमा कर उसकी पुष्टि करानी होगी। इसके बाद ही संबंधित जिले की जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई को बैच गठित करने की अनुमति दी जाएगी। कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के लिए बैच को मंजूरी देने से

पहले छब्टम्प और छफ्ट पोर्टल पर संबंधित ज ब रोल की जांच की जाएगी। इसके बाद केवल वैध और मान्यता प्राप्त ज ब रोल में ही विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। पोर्टल पर भी उन्हीं बैच और सेक्टर को मंजूरी दी जाएगी, जो संबंधित प्रशिक्षण संस्था को आवंटित किए गए हैं। इससे प्रशिक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और विद्यार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान आवश्यक संसाधनों की कमी न हो, इसके लिए प्रशिक्षण प्रदाताओं को बैच शुरू होने के सात दिन के भीतर पाठ्य सामग्री उपलब्ध करानी होगी। विद्यार्थियों को सामग्री दिए जाने की हस्ताक्षरित रसीद और तस्वीरें भी मिशन पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम और मूल्यांकन संबंधित सेक्टर रिकल काउंसिल (एसएससी) के निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए भुगतान भी निष्पारित क मन क स्ट न र्म्स के अनुसार किया जाएगा। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने प्रशिक्षण प्रदाताओं को सभी प्रक्रियाएं निष्पारित समयसीमा और नियमों के अनुरूप पूरी करने के निर्देश दिए हैं। मिशन की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रशिक्षण केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों को वास्तव में उपयोगी और गुणवत्तापूर्ण कौशल हासिल हो। उन्होंने कहा कि 'प्रोजेक्ट

प्रवीण' के माध्यम से विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा के साथ हुनर में दक्ष बनाने का प्रयास किया जा रहा है। स्कूल में ही कौशल प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे आगे रोजगार एवं बेहतर करियर के अवसरों के लिए अधिक सक्षम बनेंगे। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के माध्यम से विद्यार्थी स्कूली शिक्षा के

साथ हुनर में कुशल हो सकें, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहें। स्कूल में ही कौशल से जुड़ने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा और आगे रोजगार व बेहतर करियर के अवसरों के लिए वे अधिक सक्षम बन सकेंगे। प्रशिक्षण की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को इस पहल का पूरा लाभ मिले।

उत्तर प्रदेश की ६७ जिला पंचायतों में १२६१ करोड़ का घपला आया सामने

लखनऊ। त्रिस्तरीय पंचायत में कार्रवाई के लिए विधान मंडल के पटल पर रखी गई वर्ष २०२१-२२ की रिपोर्ट में सबसे ज्यादा धांधली जिला पंचायत में १२६१.२६ करोड़ रुपये की पकड़ी गई है। अडिट टीम को संभल, रामपुर, बिजनौर, बुलंदशहर, शामली, कन्नौज, मथुरा व बदायूं को छोड़कर ६७ जिला पंचायत पर गबन, दुर्विनियोग (अन्य कार्य कराना) और अनियमितता के १२०८ प्रकरण मिले हैं। जहां जिम्मेदारों ने विकास कार्यों के नाम पर बड़े स्तर पर सरकारी धन खर्च किया, लेकिन कार्य और उनमें भुगतान का हिसाब नहीं दे पाए। सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा निदेशालय की रिपोर्ट के मुताबिक जिला पंचायत शाहजहांपुर में ५.२६ करोड़, प्रयागराज ३.५६ करोड़, फिरोजाबाद में १४.५४ लाख व चित्रकूट में २४ हजार रुपये की

राजकीय क्षति मिली है। ये धनराशि जीएसटी, इनकम टैक्स व लेबर टैक्स के नाम पर काटकर सरकारी खाते में जमा नहीं की गई। इसके अलावा ६७ जिला पंचायत में गबन, अनियमितता और दुर्विनियोग में सबसे अधिक सीतापुर में १३१ करोड़ रुपये की धांधली की गई। वहीं, आगरा में ६४.६५ करोड़, अलीगढ़ ८६.२३ करोड़, लखीमपुर खीरी ७३.३३ करोड़, बरेली ६६.१५ करोड़, गौतमबुद्ध नगर ६१.२२ करोड़, अयोध्या ६२.७६ करोड़, मेरठ ५४.२६ करोड़, फिरोजाबाद ४४.०१ करोड़, शाहजहांपुर ४२.२३ करोड़, सोनभद्र ३६.१० करोड़, अम्बेडकर नगर ३५.६५ करोड़, जौनपुर ३४.१३ करोड़, अमरोहा ३२.५८ करोड़ रुपये का हिसाब नहीं मिला है। अब पंचायती राज समिति के फैसले पर दोषियों पर कार्रवाई करके वसूली की जाएगी।

मेट्रो से दिल्ली यूनिवर्सिटी पहुंचे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार की शाम को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स यानी एसआरसीसी के छात्रों को संबोधित किया और उनसे संवाद भी किया। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मोदी मेट्रो ट्रेन से यूनिवर्सिटी पहुंचे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री कार्यालय यानी सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन से यलो लाइन की सीधी मेट्रो सेवा दिल्ली यूनिवर्सिटी तक की है। अगर प्रधानमंत्री मोदी शाम में ट्रैफिक के समय गाड़ी से यूनिवर्सिटी जाते तो कई इलाकों में लंबा ट्रैफिक जाम हो सकता था। इसलिए वे सीधी मेट्रो सेवा से यूनिवर्सिटी

पहुंचे। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्रो में बैठे बच्चों और अन्य यात्रियों से बातचीत की। गौरतलब है कि एसआरसीसी के एक सौ



साल पूरे होने पर कॉलेज का शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। समारोह की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने एक सौ रुपए का सिक्का जारी किया। इसी साल अप्रैल में वे डाक टिकट भी जारी कर चुके

हैं। मोदी ने इससे पहले २०१३ में श्रीराम कॉलेज के छात्रों को संबोधित किया था। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उसके बाद उनको भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाया गया था। शनिवार, पांच सितंबर को एसआरसीसी के कार्यक्रम के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'इस कॉलेज ने एकेडमिक एक्सीलेंस, संस्थान बनाने और बिजनेस, पब्लिक लाइफ और समाज में लीडर्स की पीढ़ियों को तैयार करने के मामले में सालों में अपनी अलग पहचान बनाई है'।

बिहार में बाढ़ से राहत नहीं

नई दिल्ली। बिहार में बाढ़ से राहत नहीं मिली है। गंगा, गंडक सहित कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और राज्य के १६ जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब सात हजार लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। बताया जा रहा है कि अगर बारिश होती रही और नेपाल से पानी आया तो बिहार में बाढ़ की स्थिति भंयकर हो सकती है। यह भी कहा जा रहा है कि अगले १० दिन बहुत अहम हैं। आपदा प्रबंधन विभाग का कहना है कि गंगा नदी में पानी का स्तर सबसे ऊंचे फ्लेड लेवल को पार कर सकता है। गौरतलब है कि २६ अगस्त को नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद बिहार की कई नदियों में

नेपाल से आया पानी भर गया। नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या १४ सौ के करीब पहुंच गई है। नेपाल में आई बाढ़ का पानी का असर उत्तर प्रदेश में भी हुआ



है। इस बीच उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। प्रदेश के २२ जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले पांच दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी

रहने की संभावना है। इतना ही नहीं गंगा और यमुना सहित १० से अधिक नदियों के उफान पर होने से प्रदेश के २६ जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी लगातार बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश के १६ जिलों में बारिश हुई है। शिवपुरी और मुरैना सहित सात जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। उधर कश्मीर में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। गुलमर्ग के सनशाइन पीक और बांदीपोरा जिले की तुलैल घाटी में काओबल गली में ताजा बर्फबारी हुई। ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में हुई इस बर्फबारी को सर्दियों के शुरुआती संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

एयर इंडिया का पायलट बर्खास्त

नई दिल्ली। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर जीरो टालरेंस की नीति बताते हुए एयर इंडिया ने फुकेट से दिल्ली आ रहे विमान के नशेड़ी पायलट को बर्खास्त कर दिया है। घटना चार अगस्त की है, जब फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान में पायलट ने अचानक कंट्रोल खो दिया और विमान तीन सौ फीट नीचे गिरा। एक बड़ा हादसा होते होते बचा। फिर भी २४ यात्रियों को चोट लगी। जांच में पाया गया है कि पायलट ने नशीले पदार्थ का सेवन किया था। यह रिपोर्ट आने के बाद शुक्रवार को एयर इंडिया ने पायलट को बर्खास्त कर दिया। इससे पहले एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानी एएआईबी की शुरुआती जांच रिपोर्ट सामने आई। इसमें पता चला कि फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान एआई २३७६ के एक पायलट का नशे से जुड़ा टेस्ट पॉजिटिव है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ओडिशा के ऊपर उड़ान के दौरान विमान अचानक करीब तीन सौ फीट नीचे आ गया था। जांच में इसे दुर्घटना बताया गया है। इससे विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस की जिम्मेदारी बढ़ेगी। बहरहाल, एएआईबी की रिपोर्ट आने के बाद



एयर इंडिया ने एक बयान में कहा है कि फुकेट से दिल्ली की उड़ान के पायलट इन कमांड की जांच में एक साइकोएक्टिव पदार्थ यानी नशीला पदार्थ पाया गया। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा, फिटनेस या नियमों के उल्लंघन के मामले में एयर इंडिया की 'जीरो टॉलरेंस'

नीति के तहत, पायलट को तुरंत बर्खास्त कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि पायलट इन कमांड के दो अलग अलग टेस्ट में नशीला पदार्थ मिलने की पुष्टि हुई है। एएआईबी ने इसे गंभीर मामला बताते हुए नागरिक विमानन निदेशालय यानी डीजीसीए को जल्दी उचित कार्रवाई करने की सिफारिश की। गौरतलब है कि फुकेट की उड़ान के दिल्ली पहुंचने के बाद हुई मेडिकल जांच में पायलट पहले टेस्ट में पॉजिटिव पाया गया था। बाद में दोबारा किए गए टेस्ट में भी यही नतीजा आया। बताया जा रहा है कि जांच में मारिजुआना के सेवन की पुष्टि हुई थी। यह हादसा चार अगस्त को फुकेट से दिल्ली जाते समय ओडिशा के पास ३६ हजार फीट की ऊंचाई पर हुआ था। हालांकि फिर पायलट और को पायलट ने विमान को संभाला और सुरक्षित दिल्ली में उतारा।

नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर १,३४४ हुई, करीब ४,६०० लोग अब भी लापता

लखनऊ। नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर १,३४४ हो गई। पुलिस ने बताया कि प्रभावित जिलों से और शव बरामद किए जाने के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़ा है। बचाव दल करीब ४,६०० लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, अब तक बरामद शवों में ७५८ वयस्कों और ८५ बच्चों के शव शामिल हैं, जबकि ५०१ शव ऐसे मिले हैं जिनके कुछ अंग गायब हैं। अधिकारियों ने बताया कि शवों की यह स्थिति लंबे समय तक पानी में रहने और मलबे के दबाव के कारण हुई है। नेपाल-तिब्बत



सीमा के पास २६ अगस्त को हिमस्खलन के कारण बाढ़ आई थी। इसने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों तथा गांवों में भारी तबाही मचाई चीन की मीडिया की खबरों के अनुसार, इस आपदा में चीन की ओर कम से कम २१ लोगों की मौत हुई है, जबकि तिब्बत में ५०० से अधिक लोग अब भी लापता हैं। नेपाल में सबसे अधिक ३६० शव अकेले चितवन जिले से बरामद किए गए हैं। इसके अलावा रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहुं, नवलपरासी पूर्व और नवलपरासी पश्चिम जिलों से भी शव मिले हैं। अब तक डीएनए नमूने एकत्र करने जैसी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद १,०३० शवों को अस्थायी रूप से दफनाया गया है। अधिकारी कई नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखे हुए हैं। इनमें कोसी, नारायणी, बागमती, कर्णाली, महाकाली, कंकई, कमला, बर्बई, पूर्वी राप्ती और पश्चिमी राप्ती नदियां शामिल हैं। वहीं, नेपाल सेना के नेतृत्व में संयुक्त बचाव

दल शनिवार को ११वें दिन भी खोज और बचाव अभियान में जुटे रहे। अधिकारियों के अनुसार, लापता लोगों की संख्या ४,८६८ है। इनमें रसुवा और नुवाकोट जिलों के ६०० से अधिक बच्चे भी शामिल हैं नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, अब तक १३,००० से

अधिक लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। बाढ़ प्रभावित जिलों में स्थित जलविद्युत परियोजनाओं में बड़े बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं, जहां सैकड़ों लोगों के सुरंगों में फंसे होने की आशंका है। भारत और चीन के विशेषज्ञों की टीम भी नेपाली बचाव दलों की मदद कर रही हैं। शुक्रवार को त्रिशूली-३ए जलविद्युत परियोजना की एक सुरंग से दो लोगों को जीवित बचाया गया। नेपाल सेना के जनसंपर्क निदेशालय के अनुसार, उनकी पहचान परियोजना में मैकेनिकल सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत ४५ वर्षीय कबीर महार्जन और ३० वर्षीय फोरमैन संजय साह के रूप में हुई है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि नेपाल सेना के साथ मिलकर काम कर रही भारतीय सुरंग बचाव टीम ने बाढ़ प्रभावित रसुवा जिले की चिलिमे सुरंग के अंदर एक अस्थायी रास्ता तैयार किया है, जिससे भारी उपकरणों को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

अनबन पर पत्नी को कुल्हाड़ी से काट डाला, मछरेहटा थानाक्षेत्र के रमुवापुर गांव का है मामला

सीतापुर। अनबन ऐसी हुई कि पति ने घर के भीतर ही अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से काटकर ईंट से कूच डाला। बेरहमी की हदे पार करने के बाद आरोपी घर से निकलकर फरार हो गया। मछरेहटा थानाक्षेत्र की ग्राम पंचायत रमुवापुर में हुई वारदात को लेकर पुलिस ने बच्चों और पड़ोसियों के बयान दर्ज किये हैं। मछरेहटा थानाक्षेत्र के रमुवापुर गांव में किरन देवी (३५) पत्नी राजेश कुमार अपने बच्चों के साथ घर पर थी। बताते हैं कि राजेश रविवार शाम घर लौटा, किसी बात को लेकर दोनों के मध्य झगड़ा शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ी कि राजेश कमरे से कुल्हाड़ी उठा लाया और देखते

ही देखते किरन पर ताबड़तोड़ वार करने लगा। आक्रोशित राजेश की बर्बरता यहीं पर खत्म नहीं हुई, उसने ईंट से भी कई प्रहार अपनी पत्नी पर किये। मौत के घाट उतार कर आरोपी राजेश मौके से भाग निकला, पड़ोसियों और ग्रामीणों की सूचना एसओ मछरेहटा रजनेश कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे। बच्चों और पड़ोसियों से बयान लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थानाध्यक्ष का कहना है कि किसी बात को लेकर राजेश और उसकी पत्नी किरन के बीच पिछले कुछ समय से अनबन चली आ रही थी। हत्या की वजह को लेकर बच्चों और करीबियों के बयान दर्ज किये गए हैं।

नेपाल बाढ़: लापता परिजनों की तलाश कर रहे परिवारों के लिए आखिरी उम्मीद है डीएनए जांच

नई दिल्ली। जब अमृत दियाली ने बाढ़ के पानी में एक मानव हाथ देखा तो उन्हें लगा कि वह उनके छोटे भाई राजकुमार के हाथ जैसा है। राजकुमार अपनी पत्नी और चार साल के बेटे के साथ नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद से लापता हैं। ‘द काठमांडू पोस्ट’ के अनुसार, अमृत के भतीजे अविनाश ने कटे हुए हाथ की तस्वीर भेजते हुए उनसे कहा, “ मुझे एक ऐसा हाथ मिला है जो बिल्कुल चाचा के हाथ जैसा दिखता है।” अमृत के लिए यह खोज उम्मीद और डर दोनों लेकर आई। अब डीएनए जांच ही परिवार के लिए यह पता लगाने का एकमात्र रास्ता है कि बरामद अवशेष उनके भाई के हैं या नहीं। यह मामला नेपाल के सामने मौजूद बड़ी चुनौती को दर्शाता है, जहां अधिकांश अगस्त को आई बाढ़ के बाद बरामद सैकड़ों शवों की पहचान करने और लापता लोगों के परिजनों तक पहुंचने के लिए डीएनए जांच का सहारा ले रहे हैं। ‘द काठमांडू पोस्ट’ के अनुसार, पुलिस अब तक २,२७२ डीएनए नमूने एकत्र कर चुकी है। इनमें १,२६० नमूने शवों से और १,०१२ नमूने परिजनों से लिए गए हैं, ताकि आपदा में मारे गए लोगों की पहचान की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि डीएनए नमूने लेने

और पहचान से जुड़ी अन्य प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद १,०३० शवों को दफनाया जा चुका है। इनमें २२२ महिलाओं के, ३५५ पुरुषों के और ४५३ ऐसे शव शामिल हैं, जिनकी लैंगिक पहचान नहीं हो सकी है। हालांकि दियाली जैसे परिवारों के लिए पहचान की यह प्रक्रिया केवल फॉरेंसिक जांच नहीं है, बल्कि यह



कई दिनों से जारी अनिश्चितता को खत्म करने और अपने प्रियजनों का अंतिम संस्कार करने का रास्ता भी है। राजकुमार दियाली (३३) उनकी ३० वर्षीय पत्नी श्रुति और चार वर्षीय बेटा सिराज रसुवा जिले के स्याफ्रुबेसी में रह रहे थे, जब भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ ने तबाही मचाई। उनके रिश्तेदारों ने परिवार की तलाश में नदी के किनारे चितवन और नवलपुर तक खोजबीन की। उन्होंने मलबे, मिट्टी और पत्थरों को हटाकर उन्हें जीवित खोजने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर शवों की तलाश शुरू कर दी। बाढ़ आने के पांच दिन बाद राजकुमार के भतीजे अविनाश को

नवलपुर में वह हाथ मिला। अमृत ने मंगलवार को डीएनए जांच के लिए उसका नमूना काठमांडू स्थित राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा। अमृत के अनुसार, यह नमूना जांच के लिए १८२वें क्रम पर है। उन्होंने ‘द काठमांडू पोस्ट’ से कहा, “हमने अब तलाश छोड़ दी है। अगर यह हाथ मेरे भाई का भी निकला तो कम से कम हमें निश्चित रूप से पता चल जाएगा।” लापता लोगों के परिवारों की सुविधा के लिए नेपाल पुलिस ने नुवाकोट के बिदुर में डीएनए नमूना संग्रह केंद्र भी खोला है, ताकि परिजन नमूने देने के लिए काठमांडू जाने से बच सकें। नेपाल पुलिस अस्पताल के उपमहानिरीक्षक डॉ. दामोदर पौडेल ने कहा कि माता-पिता, बच्चों और भाई-बहनों जैसे करीबी रक्त संबंधियों के नमूने अज्ञात शवों से मिले डीएनए की तुलना करने में अधिक उपयोगी होते हैं। पौडेल ने कहा कि शवों की पहचान में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए डीएनए जांच से पहचान प्रक्रिया में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने नेपाल पुलिस की वेबसाइट पर १,२७० अज्ञात शवों का विवरण भी अपलोड किया है, ताकि परिवार यह जांच सकें कि उनके लापता परिजन बरामद शवों में शामिल हैं या नहीं।

मस्जिद के मलबे के नीचे मिला 15 फीट गहरा कुआं, कलेक्ट्रेट परिसर में मचा हड़कंप

सहारनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद गिराए जाने के करीब २४ घंटे बाद रविवार को मलबा हटाने के दौरान एक कुआं मिला है। मलबा साफ कर रही टीम को यह कुआं मस्जिद के नीचे मिला। बताया जा रहा है कि कुएं की गहराई करीब १५ फीट और चौड़ाई करीब डेढ़ मीटर है। कुएं के ऊपर एक भारी स्लैब डाला गया था। जब पोकलेन मशीन से स्लैब नहीं टूटा तो टीम ने कटर की मदद से उसे हटाया। स्लैब हटाते ही नीचे कुआं दिखाई दिया। फिलहाल यह साफ नहीं है कि कुआं कब बनाया गया था और यह कितना पुराना है। कलेक्ट्रेट परिसर में सरकारी जमीन पर बनी दो मंजिला मस्जिद को शनिवार सुबह प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में बुलडोजर से गिराया गया था। यह कार्रवाई जिला जज न्यायालय के २ सितंबर के आदेश के बाद की गई। कार्रवाई के लिए सुबह-सुबह सात बुलडोजर लगाए गए थे। इससे पहले सिटी मजिस्ट्रेट ने १६ जुलाई को अपने आदेश में मस्जिद के निर्माण को अवैध माना था। मस्जिद पक्ष ने सिटी मजिस्ट्रेट के फैसले के खिलाफ जिला जज की अदालत में अपील की थी। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद जिला जज ने २

सितंबर को सिटी मजिस्ट्रेट के फैसले को बरकरार रखते हुए अपील खारिज कर दी थी। इस मामले की शुरुआत बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी की शिकायत से हुई थी। उन्होंने जनवरी २०२५ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायत भेजकर आरोप लगाया था कि कलेक्ट्रेट परिसर में सरकारी जमीन



पर कब्जा करके मस्जिद बनाई गई है। शिकायत की जांच के बाद २४ मार्च २०२५ को सिटी मजिस्ट्रेट कोर्ट में मामला दर्ज किया गया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश लोक परिसर (अनधित अध्यासियों की बेदखली) अधिनियम, १९७२ के तहत की गई थी। सुनवाई के बाद १६ जुलाई २०२६ को सिटी मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में कहा था कि प्रदेश सरकार की ३१५ वर्ग मीटर जमीन पर कब्जा करके मस्जिद का निर्माण किया गया है। अदालत ने संबंधित पुराने राजस्व रिकॉर्ड का भी हवाला दिया। रिकॉर्ड

में फसली वर्ष १३२४ और १३५६ में इस जमीन को कचहरी-कलेक्ट्रेट के रूप में दर्ज पाया गया था। इसके बाद मस्जिद को अवैध घोषित करते हुए जमीन खाली कराने और कब्जा गारंटी से करीब ६.४१ करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति वसूलने का आदेश दिया गया था। मस्जिद पक्ष ने सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ २० जुलाई को जिला जज कोर्ट में अपील की थी। करीब डेढ़ महीने तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जिला जज ने २ सितंबर को अपील खारिज कर दी और सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा। इसके बाद पुलिस और प्रशासन ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी। पुलिस प्रशासन ने शुक्रवार रात ही कलेक्ट्रेट परिसर की घेराबंदी कर दी थी और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। मस्जिद के मलबे के नीचे मिला कुआं इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कुआं कितना पुराना है, इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से होता था और इसे कब बनाया गया था। आगे की जांच के बाद ही इसकी स्थिति और इतिहास के बारे में अधिक जानकारी सामने आ सकेगी।

यूक्रेन पर ७२ घंटे हमला नहीं करेगा रूस

नई दिल्ली। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के प्रमुख जॉन रेटक्लिफ के बाद अब अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचे हैं। कुशनर की मस्को यात्रा के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अगले ७२ घंटे तक यूक्रेन पर कोई हमला नहीं करने का ऐलान किया है। पुतिन ने आदेश दिया कि तीन दिन तक यूक्रेन की राजधानी कीव पर कोई हमला नहीं किया जाएगा। क्रेमलिन ने हमला रोकने की जानकारी शनिवार को दी। बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूत के तौर पर उनके दामाद जेरेड कुशनर और विशेष प्रतिनिधि स्टीव वित्कॉफ मस्को पहुंचे हैं। वे दोनों रूस और यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए बातचीत करेंगे। कहा जा रहा है कि दोनों रुकी हुई शांति वार्ता को फिर शुरू कराने की कोशिश करेंगे। यूक्रेन पहले ही दोनों के दौरे की जानकारी दे चुका है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा था कि वित्कॉफ और

कुशनर के यूक्रेन दौरे के दौरान यूक्रेन की सेना हवाई हमले रोक देगी। उन्होंने रूस से भी ऐसा ही करने को कहा था। गौरतलब है कि अमेरिका लंबे समय से रूस और यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिश में कर रहा है। हालांकि,



पिछले छह महीनों में इन कोशिशों की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। इसकी एक वजह यह है कि खुद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है। गौरतलब है कि ईरान के साथ भी वित्कॉफ और कुशनर ही वार्ता कर रहे थे। ये दोनों इस साल जनवरी में भी मस्को पहुंचे थे। तब दोनों ने क्रेमलिन में पुतिन से मुलाकात की थी। अब एक बार फिर दोनों के मस्को पहुंच हैं, जहां रूसी दूत किरिल दिमित्रीव ने उनका स्वागत किया।

सुभाष चंद्रा पर सीबीआई ने केस दर्ज किया

नई दिल्ली। २२ हजार करोड़ रुपए का कर्ज साढ़े छह करोड़ रुपए में निपटाने की कोशिश और देश के सबसे अमीर कारोबार मुकेश अंबानी का नाम लेकर उन पर निजी हमला करना लगता है कि जी समूह के सुभाष चंद्रा पर भारी पड़ा है। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने उनके खिलाफ धोखाधड़ी का एक मुकदमा दर्ज किया है। जी समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा सहित चार लोगों के खिलाफ सीबीआई ने १,३२२ करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने कर्ज लेने के



लिए संपत्ति बढ़ा चढ़ा कर बताई। बहरहाल, चंद्रा के खिलाफ यह कार्रवाई एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की शिकायत पर की गई है। एलआईसी का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने फर्जी नेटवर्थ सर्टिफिकेट जमा करके अपनी कंपनियों के लिए कर्ज लिया। बाद में नेटवर्थ सर्टिफिकेट से मुकर गए। इस मामले में सीबीआई ने सुभाष चंद्रा के अलावा पंकज सुरोलिया, अमिश पांड्या और राजीव ढोलकिया पर केस दर्ज किया है। चारों पर २०१८ से २०२६ के बीच धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने का आरोप है। एलआईसी का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने साल २०१८ में ‘मेसर्स वसंत सागर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड’ और अपनी अन्य

कंपनियों के लिए लोन लिया था। लोन मंजूर कराने के लिए उन्होंने एक ‘नेटवर्थ सर्टिफिकेट’ जमा किया था, जिसमें उनकी व्यक्तिगत कुल संपत्ति ५६,११३ करोड़ रुपए दिखाई गई थी। इस भारी भरकम नेटवर्थ को आधार बनाकर एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने उनकी कंपनियों को १,३२२ करोड़ रुपए से ज्यादा का लोन दिया था। बाद में एस्सेल ग्रुप की कंपनियां कर्ज नहीं चुका सकीं, तो सुभाष चंद्रा के खिलाफ दिवालिया घोषित करने की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान चंद्रा ने कहा कि उनकी संपत्ति कभी उतनी थी ही नहीं, जितनी उन्होंने लोन लेते समय दिए गए सर्टिफिकेट्स में दिखाई थी। उन्होंने कहा कि २०२४ में उनकी असली कुल नेटवर्थ सिर्फ ३१.७६ करोड़ रुपए है। गौरतलब है कि सुभाष चंद्रा की दिवालिया प्रक्रिया पहले भी विवादों में आ गई है। उन्होंने २२ हजार करोड़ रुपए की देनदारी के बदले सिर्फ साढ़े छह करोड़ देकर मामला खत्म करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे एनसीएलटी की सिंगल बेंच ने मान लिया था। इस फैसले पर भारी विवाद के बाद एनसीएलटी ने मामले की सुनवाई के लिए पांच जजों की बड़ी बेंच बनाई, जिसका चंद्रा ने विरोध किया था। पांच जजों की बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले पर रोक लगा दी है। इससे पहले दिवालिया प्रक्रिया पर विवाद के बाद चंद्रा ने मुकेश अंबानी के ऊपर शेयर बाजार में हेराफेरी करने और उनके खिलाफ खबर चला कर छवि बिगाड़ने का आरोप लगाया था।

हिंदुत्व 'इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया जेल

लखनऊ। हिंदुत्व 'इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज को शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत के न्यायाधीश ने एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत के सूत्रों के अनुसार, भारद्वाज को अपराह्न लगभग दो बजे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर के आवास पर पेश किया गया। उसकी कानूनी सहायता के लिए नियुक्त वकील वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से न्यायाधीश के समक्ष पेश हुए। भारद्वाज को पहले पटियाला हाउस अदालत में पेश किये जाने की उम्मीद थी। भारद्वाज को जून में जंतर-मंतर पर क करोच जनता पार्टी (क जपा) के प्रदर्शन के दौरान एक नाबालिग कार्यकर्ता के पिता पर हुए कथित हमले के सिलसिले में शुक्रवार को हिरासत में लिया गया था। इससे कुछ घंटे पहले ही क जपा ने कथित हमले को लेकर उसकी गिरफ्तारी की मांग करते हुए संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन किया था। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को भारद्वाज के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम

और आपराधिक धमकी से जुड़ी धाराएं जोड़ी थीं। भारद्वाज के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। भारद्वाज के एक साक्षात्कार की वीडियो क्लिप प्रसारित हुई है, जिसमें उसने दावा किया गया था



कि २३ जून को कौजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान उसने नाबालिग कार्यकर्ता के पिता संजय का "सिर फोड़ दिया था"। वीडियो में भारद्वाज को यह कहते हुए सुना जा सकता है क्या आपको पता है कि इस अपराध में कौन सी धारा लगती है? धारा ३०७। उन्हें ६० टांके लगे थे। दिल्ली पुलिस ने इससे पहले कहा था कि संजय को लगी चोटें "सामान्य" प्रकृति की थीं। हालांकि, बाद में एक पॉडकास्ट में भारद्वाज ने दावा किया कि उसने आत्मरक्षा में यह

कदम उठाया था। ऐसा बताया जाता है कि पुलिस ने बीएनएस की धाराएं ३५१(३), ७८ (पीछा करना) और ७६ (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से किये गये कृत्य) भी लगाई हैं। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा ६७ भी लगाई गई है। नाबालिग ने आरोप लगाया कि अपने पिता पर हुए हमले के खिलाफ बोलने और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद उसे दुष्कर्म की धमकी दी गई, उसके साथ गाली-गलौज की गई और उसकी तस्वीरों से छेड़छाड़ की गई। आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के प्रमुख एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भी संसद मार्ग पुलिस थाने में पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। प्रतिनिधिमंडल ने मामले में हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी और एससी/एसटी अधिनियम की धाराएं जोड़ने के साथ-साथ लड़की को कथित तौर पर दी गई दुष्कर्म की धमकियों को लेकर अलग से एक प्राथमिकी दर्ज करने की भी मांग की।

११ सितंबर को आईटीआई लखनऊ में लगेगा विशाल महिला रोजगार मेला

लखनऊ। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में महिलाओं एवं युवतियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ११ सितंबर २०२६ (शुक्रवार) को विशाल रोजगार एवं प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष रोजगार मेले में हीरो मोटोकॉर्प, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस तथा अल्मास एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड सहित चार प्रमुख कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। चयन प्रक्रिया में कैंपस प्लेसमेंट के साथ ही वॉक-इन इंटरव्यू भी आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि रोजगार मेले का उद्देश्य महिलाओं एवं युवतियों को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। आईटीआई एवं अन्य शैक्षिक योग्यता रखने वाली इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए विभिन्न पदों पर चयन का अवसर उपलब्ध होगा। प्लेसमेंट अधिकारी एम. ए. खां ने बताया कि हीरो मोटोकॉर्प

लिमिटेड, हरिद्वार प्लांट में केवल छात्राओं के लिए कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किया जाएगा। कंपनी द्वारा ५० पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए १०वीं पास तथा फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, मशीनिस्ट, टर्नर, पेंटर, COPA, ट्रेक्टर मैकेनिक आदि आईटीआई ट्रेड में NCVT/SCVT पास आउट वर्ष २०२४, २०२५ एवं २०२६ की छात्राएं तथा अपीयरिंग छात्राएं पात्र होंगी। अभ्यर्थियों की आयु १८ से २६ वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को २६,४५० रुपये सीटीसी तथा लगभग १८,४८७ रुपये प्रतिमाह इन-हैंड वेतन के साथ कैंटीन, यूनिफॉर्म, ईएसआई एवं मेडिकल जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, सुमेरपुर (हमीरपुर) प्लांट में ट्रेनी पद के लिए १५ महिलाओं का चयन किया जाएगा। इसके लिए २१ से २६ वर्ष की आयु की महिलाएं पात्र होंगी। इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मशीनिस्ट, टर्नर एवं इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक ट्रेड में आईटीआई पासआउट अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को १४,००० रुपये प्रतिमाह इन-हैंड वेतन मिलेगा। एसबीआई लाइफ

इंश्योरेंस द्वारा लखनऊ लोकेशन के लिए फाइनेंशियल कंसलटेंट (एडवाइजर) पद पर वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। इसके लिए १८ से ३० वर्ष की आयु की १२वीं पास अथवा स्नातक महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। क लिंग वर्क के अंतर्गत २०,००० रुपये प्रतिमाह तक की आय (पेयआउट) का अवसर उपलब्ध होगा। इसी प्रकार अल्मास एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, जानकीपुरम विस्तार, लखनऊ में महिला टेलर के पदों पर भर्ती की जाएगी। सिलार्ड- टेलरिंग में दक्ष अथवा फ्रेजर, १८ वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं इसमें शामिल हो सकती हैं। चयनित अभ्यर्थियों को न्यूनतम ८,००० रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। रोजगार मेले में शामिल होने वाली सभी इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाणपत्र, पहचान संबंधी दस्तावेज, अन्य आवश्यक प्रमाणपत्र तथा बायोडाटा साथ लाना होगा। अभ्यर्थियों को ११ सितंबर २०२६ को सुबह १०:०० बजे राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ के विवेकानंद हॉल एवं परिसर में उपस्थित होना होगा।

सहारनपुर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित अवैध मस्जिद को गिराया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित अवैध मस्जिद को शनिवार तड़के गिरा दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने पत्रकारों को बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा अवैध घोषित किए जाने के बाद आज प्रशासन ने इसे हटाने की कार्रवाई शुरू की। सिंह ने बताया कि सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद जिला अदालत में अपील की गई थी लेकिन अपील खारिज होने के बाद सरकारी भूमि को खाली कराने की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। मामले के अनुसार, वर्ष २०२५ में इस मस्जिद को अवैध बताते हुए बजरंग दल के प्रांतीय संयोजक विकास त्यागी ने नगर मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के बाद १६ जुलाई २०२६ को नगर मजिस्ट्रेट ने मस्जिद को अवैध माना और अपने फैसले में इसे हटाने का आदेश दिया। मस्जिद की इंतजामिया कमेटी ने नगर मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ जिला अदालत में अपील की और करीब डेढ़ माह की सुनवाई के बाद जिला न्यायाधीश ने नगर मजिस्ट्रेट के आदेश को बहाल रखते हुए मामले में दखल देने से इनकार कर दिया। सिंह ने कहा कि पूरी कार्यवाही निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है, और साथ ही प्रशासन की ओर से किसी भी स्थिति से निपटने एवं शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया

कि मौके पर पांच बटालियन पीएसी के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, साथ ही संवेदनशील स्थानों पर पुलिस अधिकारियों की निगरानी बराबर बनी हुई है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा सहारनपुर की मस्जिद सहित पूरे उत्तर प्रदेश में आए दिन



मस्जिदों को काफी आपाधापी में अवैध बताकर ध्वस्त करने का जो सरकारी अभियान चल रहा है, वह ठीक नहीं है। सरकार को ऐसे नकारात्मक हालात से बचने के लिए इस पर तत्काल रोक लगाकर समाधान के अन्य उपाय करने चाहिए। उन्होंने कहा, "एक संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष सरकार का दायित्व है कि वह सभी धर्मों के मानने वालों और उनके धार्मिक स्थलों का समान रूप से सम्मान एवं सुरक्षा सुनिश्चित करे। मायावती ने कहा कि बसपा सरकार की तरह 'कानून द्वारा कानून का राज' कायम रखना जरूरी है। सांसद इमरान मसूद, पूर्व सांसद फजलुरहमान और सांसद इकरा हसन ने इस मस्जिद को हटाए जाने की आलोचना की। सांसद हाजी फजलुरहमान ने कहा कि प्रशासन का फैसला जल्दबाजी में लिया गया है और यह बेहद पीड़ादायक है।

लखनऊ जंक्शन पर मालगाड़ी से पान मसाले की बड़ी खेप पकड़े जाने से हड़कंप

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर जीएसटी विभाग की कार्रवाई से हड़कंप मच गया। मालगाड़ी के जरिए लाई जा रही पान मसाले की बड़ी खेप को अधिकारियों ने पकड़ा है। शुरुआती जानकारी में बरामद माल की कीमत करीब ३,००० करोड़ रुपये बताई जा रही है, हालांकि इस आंकड़े की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। जीएसटी विभाग की टीम बरामद पान मसाले से जुड़े दस्तावेज, बिल, ई-वे बिल और टैक्स रिकॉर्ड खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह खेप नेपाल भेजे जाने की तैयारी में थी। हालांकि, खेप की वास्तविक मंजिल और कारोबार से जुड़े लोगों की भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। मालगाड़ी से इतनी बड़ी मात्रा में पान मसाला पहुंचने के

मामले ने रेलवे सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पूरे मामले में रेलवे सुरक्षा बल (टिच) की भूमिका और निगरानी व्यवस्था की भी जांच किए जाने की बात सामने आ रही



है। फिलहाल जीएसटी विभाग दस्तावेजों की जांच के साथ यह पता लगाने में जुटा है कि माल की खरीद-बिक्री किसके द्वारा की गई, इसके लिए कितना टैक्स जमा किया गया और खेप को किस उद्देश्य से भेजा जा रहा था। जांच पूरी होने के बाद ही बरामद माल की वास्तविक कीमत, टैक्स चोरी और पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा।

बस्ती में इंसपेक्टर की आत्महत्या मामले में बड़ा खुलासा, ब्लैकमेलिंग का आरोप

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती में इंसपेक्टर सूर्यप्रकाश सिंह की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इंसपेक्टर ने २८ अगस्त को फांसी लगाकर

और बाद में कथित तौर पर उनके अश्लील वीडियो के जरिए उन्हें ब्लैकमेल किया। पुलिस का दावा है कि उनसे एक करोड़ रुपये की मांग की गई थी। जांच में पुलिस



आत्महत्या कर ली थी। जांच के दौरान पुलिस के सामने ब्लैकमेलिंग से जुड़ा कथित मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, प्रियंका चौधरी नाम की महिला पर आरोप है कि उसने पहले इंसपेक्टर सूर्यप्रकाश सिंह से नजदीकी बढ़ाई

ने प्रियंका चौधरी के पिता रामनयन चौधरी और अधिवक्ता विजय प्रकाश की कथित भूमिका भी सामने आने की बात कही है। पुलिस के अनुसार, तीनों पर ब्लैकमेलिंग और वसूली की साजिश में शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने मामले में

प्रियंका चौधरी, रामनयन चौधरी और विजय प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ के साथ पुलिस डिजिटल साक्ष्यों और पैसों के लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, जांच में प्रियंका चौधरी के खिलाफ इससे पहले भी कुछ लोगों को कथित तौर पर इसी तरह फंसाकर पैसे वसूलने के आरोपों की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि प्रियंका मुंबई के ब्यूटी पार्लर और स्पा सेंटर्स में काम कर चुकी है। पुलिस अब उसके पुराने संपर्कों और कथित वसूली के मामलों की भी जानकारी जुटा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले में कल डिटेल्, मोबाइल फोन, वीडियो और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही ब्लैकमेलिंग की पूरी साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

चार साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, अर्धेड़ हिरासत में

निघासन-खीरी। सिंगाही थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार सुबह चार साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म किए जाने का आरोप सामने आने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने करीब ५० वर्षीय एक व्यक्ति पर बच्ची को पैसे देने का लालच देकर अपने घर बुलाने और उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद बच्ची खून से सनी हालत में घर पहुंची। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए ले गए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि सिंगाही थाना क्षेत्र के गांव में हुई घटना परिजनों के अनुसार, रविवार सुबह बच्ची घर के आसपास थी। इसी दौरान आरोपी ने उसे पैसे देने का लालच दिया और कथित तौर पर बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। कुछ समय बाद बच्ची किसी तरह अपने घर पहुंची। उसके कपड़ों पर खून लगा था और वह काफी घबराई हुई थी। परिजनों के मुताबिक, बच्ची ने घटना के संबंध में बताने का प्रयास किया, लेकिन कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। इसके बाद परिजन आरोपी के घर पहुंचे और घटना के संबंध में पूछताछ की। आरोप है कि आरोपी ने बातचीत करने के बजाय फावड़ा उठा लिया और परिजनों को दौड़ा दिया। इसके बाद परिजनों ने डायल-११२ पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पीआरबी टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। घटना की

गंभीरता को देखते हुए सिंगाही थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्ची को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निघासन भेजा। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला



अस्पताल रेफर किया। जिला अस्पताल से बच्ची को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम के साथ पड़ोस थाना प्रभारी मोहित पुंडीर, निघासन इंसपेक्टर गोपाल नारायण सिंह, सिंगाही थाना प्रभारी राज बहादुर सिंह और तिकुनिया थाना प्रभारी अवनीश कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ ही परिजनों से घटना की जानकारी ली। मासूम के साथ हुई घटना की जानकारी फैलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। घटना से नाराज ग्रामीणों के साथ हिंदू संगठन और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। लोगों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर कुछ देर के लिए सिंगाही-निघासन संपर्क मार्ग जाम कर दिया। मार्ग

जाम होने की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी यदुवीर सिंह व एडिशनल पवन गौतम ने लोगों को आश्वासन दिया कि मामले में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी और मुकदमे की प्रभावी पैरवी कराई जाएगी। एसडीएम के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम समाप्त कर दिया और यातायात सुचारु हो सका। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की पड़ताल के साथ ही परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस मेडिकल रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को जांच का आधार बना रही है। नाबालिग पीड़िता से जुड़े मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। सीओ निघासन शिवम कुमार ने बताया कि चार वर्षीय बच्ची से संबंधित घटना की सूचना पुलिस को मिली है। बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम घटना के प्रत्येक पहलू की गहनता से जांच कर रही है। मेडिकल जांच कराई जा रही है और रिपोर्ट तथा विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पीड़िता के उपचार और सुरक्षा को पुलिस की प्राथमिकता में रखा गया है।

लखनऊ में हेड कौन्स्टेबल पर पत्नी की हत्या का आरोप, सिर पर लोहे की रॉड मारने की बात

लखनऊ। राजधानी के महानगर थाना क्षेत्र में युपी पुलिस के २०११ बैच के हेड कौन्स्टेबल पर अपनी पत्नी की हत्या करने का गंभीर आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि घर में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान हेड कौन्स्टेबल ने कथित तौर पर पत्नी के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर दिया। गंभीर चोट लगने के बाद महिला मौके पर ही बेसुध होकर गिर पड़ी घटना के बाद आरोपी पति ने अपने साले को फोन कर घर बुलाया। परिजनों के पहुंचने पर महिला को बेसुध हालत में पाया गया। आरोप है कि हेड कौन्स्टेबल पत्नी के पास बैठा हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मृतका के भाई सौरभ श्रीवास्तव, निवासी मालेपुरा, अंबेडकरनगर, के अनुसार उनकी बहन रश्मि श्रीवास्तव की शादी वर्ष २०१५ में अयोध्या के निरालानगर निवासी हिमांशु श्रीवास्तव से हुई थी। सौरभ

का आरोप है कि शादी के बाद से ही उनकी बहन को पति की ओर से परेशान किया जाता था। परिवार को बचाने के लिए रश्मि लंबे समय तक कथित तौर पर यह सब सहती



रही। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की। पुलिस पति-पत्नी के बीच विवाद की वजह, घटना की परिस्थितियों और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। मामले में पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, परिजनों के आरोपों की भी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

खतरे के निशान से ३० सेंटीमीटर ऊपर पहुंची सरयू, एक दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में कोडरी समेत कई गांवों में राहत सामग्री की कमी

बाराबंकी। सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से बाराबंकी के रामनगर और सूरतगंज क्षेत्र में बाढ़ और कटान का संकट गहराता जा रहा है। रविवार शाम छह बजे नदी का जलस्तर १०६.३७० मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान १०६.०७० मीटर से ३० सेंटीमीटर ऊपर है। जलस्तर बढ़ने के साथ तहसील क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है, जबकि कटान से किसानों की



जमीन और फसलें प्रभावित हो रही हैं। तपेसिपाह गांव में संजय सेतु के आसपास सरयू नदी के तेज कटान से किसानों की फसल लगी जमीन प्रभावित हो रही है। नदी लगातार किनारों को काट रही है, जिससे ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। वहीं नदी के मुहाने पर बसे कोरिनपुरवा गांव के पास कराए गए बाढ़ राहत कार्य से कटान में कुछ राहत मिलने की बात सामने आई है। हालांकि गांव में बिजली व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को रात के समय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अंधेरे के कारण विषैले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार शुक्रवार रात गांव निवासी मंगल को सांप ने काट लिया था। उधर,

सूरतगंज क्षेत्र के हेतमापुर इलाके में कटान के साथ बांध के अंदर बसे करीब एक दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में हैं। सुंदरनगर गांव के कई घरों में पानी पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने बांध पर शरण ले रखी है। कोडरी गांव भी पिछले दो दिनों से चारों ओर से पानी से घिरा हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलभराव के बावजूद लंच पैकेट और राहत सामग्री का पर्याप्त वितरण नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि करीब २० दिन पहले राशन और लंच पैकेट मिले थे, लेकिन इसके बाद राहत सामग्री नहीं पहुंची। ललपुरवा, बाबापुरवा, बलईपुर, बेलाहरी, साइनतकिया, मदरहा, कोयली पुरवा, सकतापुर, अकौना और माधवपुरवा समेत कई गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित गांवों में नियमित राहत सामग्री, पेयजल और भोजन उपलब्ध कराने की मांग की है। लगातार बढ़ते जलस्तर के बीच ग्रामीणों को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ने की आशंका सता रही है। तहसीलदार विपुल सिंह ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि कोडरी गांव बाढ़ से प्रभावित है तो वहां जल्द ही लंच पैकेट और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई जाएगी। सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बने रहने के कारण प्रशासन की निगरानी बढ़ गई है। वहीं ग्रामीणों की नजर अब नदी के जलस्तर और राहत कार्यों पर टिकी है।

एक सच्चा हिंदू कभी किसी दूसरे का... , सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण पर अखिलेश यादव का बयान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिला मजिस्ट्रेट कलेक्ट्रेट परिसर में बनी एक मस्जिद को अदालत के आदेश के बाद गिरा दिया गया। यह कार्रवाई सुबह-सुबह की गई, जिसके बाद सभी पार्टियों की ओर से राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इसको लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरे धर्मों का सम्मान नहीं करते, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। जो लोग दूसरों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। यादव ने हुंकार भरते हुए कहा कि एक सच्चा हिंदू कभी किसी दूसरे का अपमान नहीं कर सकताय हमने 'सनातन धर्म' में यही सीखा है... सच्चे सनातनी वे लोग हैं जो सद्भाव को महत्व देते हैं सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता सद्भाव होनी चाहिए। क्या कोई मुझे बता सकता है कि ऐसा क्यों हो रहा है?

सहारनपुर बुलडोजर Action: मायावती भड़कीं, बोलीं- मस्जिदें गिराना ठीक नहीं

लखनऊ। सहारनपुर के जिला मजिस्ट्रेट के ऑफिस कॉम्प्लेक्स में बनी एक अवैध मस्जिद को शनिवार को गिरा दिया गया। अदालत ने इसे हटाने के पहले के आदेश को सही ठहराया था। राजनीतिक नेताओं के विरोध के बीच कलेक्ट्रेट में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया था। शुक्रवार को जिला जज की अदालत ने मस्जिद कमेटी की अपील खारिज कर दी और सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा, जिसके बाद सुबह-सुबह बुलडोजर से उस ढांचे को हटाने का काम शुरू हुआ। **BSP** प्रमुख मायावती ने भी पूरे राज्य में कथित तौर पर अवैध मस्जिदों को गिराने के उत्तर प्रदेश सरकार के कदम की आलोचना की और इसे रोकने की अपील की। **X** पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि सरकार बहुत जल्दबाजी में मस्जिदों को अवैध घोषित कर उन्हें गिरा रही है, और ऐसे विवादों को सुलझाने के लिए वैकल्पिक तरीकों को अपनाने की बात कही। मायावती ने कहा कि एक संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सभी धर्मों के मानने वालों का सम्मान करे और उनके धार्मिक स्थलों की रक्षा करे। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को इस्लामी धार्मिक प्रथाओं में मस्जिदों के महत्व पर विचार करना चाहिए। **BSP** प्रमुख ने अलग से आरोपियों के घरों को गिराए जाने पर चिंता

ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि वे भगवान श्री राम के लिए आए फंड की चोरी करते हुए पकड़े गए थे। हर कोई जानता है कि इसमें बीजेपी के सदस्य शामिल थे। **SIT** बनाने और लोगों को जेल भेजने के कदम

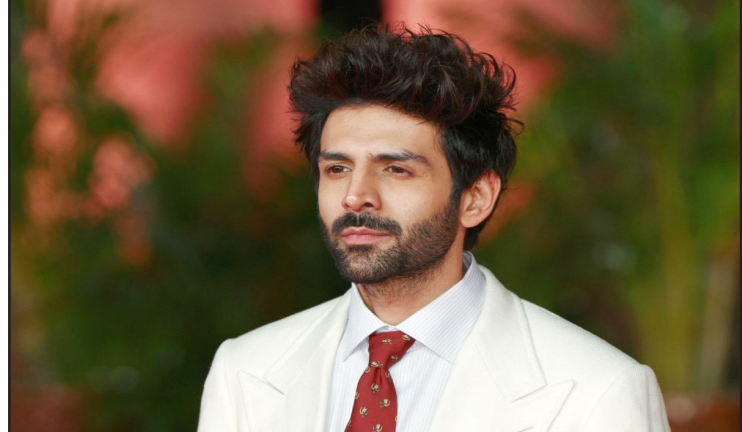


ने उनकी असलियत सबके सामने ला दी। अखिलेश ने कहा कि जनता अब समझ गई है कि वे किस तरह के लोग हैं। इसीलिए वे जानबूझकर इसे सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं। क्या हाई कोर्ट में न्याय नहीं मिल सकता था? क्या वे सुप्रीम कोर्ट में अपील नहीं कर सकते थे? अधिकारियों ने सरकार के कहने पर यह कार्रवाई की, ताकि उन्हें ऊपरी अदालत से न्याय न मिल सके... आप लोगों से न्याय

का अधिकार छीन रहे हैं। इसीलिए मैंने कहा कि अब सिर्फ सौ दिन बचे हैं। यह तोड़-फोड़ की कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश और उसके बाद जिला अदालत के फैसले के बाद की गई। गुरुवार को, जिला जज सतेन्द्र कुमार ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी और सिटी मजिस्ट्रेट के १६ जुलाई, २०२६ के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें विवादित जमीन को सरकारी संपत्ति माना गया था। अदालत के फैसले के बाद, प्रशासन ने शुक्रवार देर रात मस्जिद को सील कर दिया और अगली सुबह उस हिस्से को हटाना शुरू कर दिया जिसे सरकारी जमीन पर बना हुआ माना गया था। मौके पर एक एडिशनल जिला मजिस्ट्रेट और नगर निगम की टीम मौजूद थी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए १० से ज्यादा पुलिस थानों की पुलिस के साथ-साथ प्रोविंशियल आर्मड कांस्टेबुलरी (**PAC**) को भी तैनात किया गया था।

‘कैप्टन इंडिया’ की शूटिंग शुरू करने लंदन पहुंचे कार्तिक आर्यन

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘कैप्टन इंडिया’ की शूटिंग शुरू करने के लिए लंदन पहुंच गये हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अपनी लंदन यात्रा की तस्वीर साझा करते हुए फिल्म के शूटिंग प्रारूप की पहली झलक भी दिखाई



है। कार्तिक द्वारा साझा की गयी तस्वीर में वह ‘कैप्टन इंडिया’ का शूटिंग प्रारूप हाथ में लिये नजर आ रहे हैं। प्रारूप के आवरण पर फिल्म के निर्देशक शमित अमीन का नाम भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। तस्वीरों में कार्तिक के घायल पैर की झलक भी देखने को मिली है। बताया जाता है कि कबीर खान की आगामी खेल आधारित फिल्म के लिए एक गहन एक्शन दृश्य की शूटिंग के दौरान कार्तिक घायल हो गये थे, जिसके बाद उनके

कृति खरबंदा की रहस्यमयी इंस्टाग्राम स्टोरी से बढ़ी उत्सुकता

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा की हालिया इंस्टाग्राम स्टोरीज ने उनके प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। कृति खरबंदा ने लगातार कुछ ऐसी तस्वीरें साझा



की हैं, जिनसे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह जल्द ही कोई खास घोषणा कर सकती हैं। कृति ने सबसे पहले अपनी क्लोज-अप सेल्फी साझा की। इसके बाद उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक गिलास में ड्रिंक डाली जाती हुई दिखाई दे रही है और साथ में लाल रंग की नोटबुक नजर आ रही है। तस्वीर पर लिखा था, “कुछ खास पक रहा है। इसके बाद कृति ने एक और तस्वीर साझा की, जिसमें हाथ से लिखे नोट की तरह संदेश था “मैं अभी खुद पर काम कर रही हूँ। कृति के इन रहस्यमयी संदेशों ने प्रशंसकों की

जिज्ञासा और बढ़ा दी है। हालांकि कृति ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनकी इन स्टोरीज का इशारा किस ओर है, लेकिन सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि यह किसी नए प्रोजेक्ट, पेशेवर उपलब्धि या उनकी जिंदगी से जुड़ी किसी खास खबर का संकेत हो सकता है फिलहाल कृति के इन रहस्यमयी अपडेट्स ने प्रशंसकों को इंतजार और अनुमान के बीच ला खड़ा किया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि कितनी कब इस सर्र्यस से पर्दा उठाती हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई

सीतापुर

मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

सुरेश नारायण मिश्र

क्षेत्रीय सम्पादक

सौरभ कुमार, बिहार

मो.09386075289

मो० अरशद

ब्यूरो चीफ

मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा साईं आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित। आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-

adbhutsamachar@yahoo.in

adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरें सही और विश्वसनीय हैं। स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक